TIMES OF INDIA

New campus of IIT Mandi inaugurated

TIMES NEWS NETWORK

Shimla: The Indian Institute of Technology (IIT), Mandi, has become the first among newly established IITs to have a full residential and academic facility in the campus with Union minister for human resource development, M Pallam Raju, along with chief minister Virbhadra Singh, inaugurating the new campus at Kamand, 14 kms from Mandi town on Saturday.

Earlier, inauguration of the new campus was to be done by Raju on February 23, but was postponed due to rain and snow warning in the state.

The Union minister said that coming up of an IIT in Himachal Pradesh was a turning point and it was expected to give Himalayan region a world renowned centre for learning, research and innovation. "Higher educational institutions are moving towards remote areas where serene environs make things more fruitful and strengthen the economy of rural areas. IIT is much bigger than an engineering college as Rs 800-1,000 crore would be spent on it in coming years," he said.

Speaking on the occasion, chief minister Virbhadra Singh said that opening of IIT at Mandi and a Central University in Kangra district was Congress government's decisions. Finance minister P Chidambaram had made these announcements on October 2, 2007 during Gandhi Jayanti celebrations at the historic Ridge in Shimla, he said.

The CM also announced Rs 10 crore for widening and improvement of Mandi-Kamand road.

DAINIK JAGARAN

आइआइटी मंडी को मिला अपना भवन

- छात्रावास भवन व एडवांस्ड मेटीरियल्स अनुसंधान केंद्र का लोकार्पण
- आइआइटी पर खर्च होंगे करीब एक हजार करोड़ रुपये : पल्लम राजू

वरिष्ठ संवाददाता, मंडी : केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. एमएम पल्लम राजू ने शनिवार को मंडी जिले के कमांद में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) के परिसर में नए भवनों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कमांद में पराशर छात्रावास भवन व पल्लम राजू ने एडवांस्ड मेटीरियल्स अनुसंधान केंद्र का लोकार्पण भी किया। इससे पहले आइआइटी का संचालन मंडी कॉलेज में बनाए ट्रांजिट कैंप में हो रहा था।

पल्लमराजू ने कहा कि आइआइटी मंडी नई आइआइटी में ऐसा पहला संस्थान है, जिसके पास पूर्ण आवासीय व शैक्षणिक सुविधायुक्त परिसर है। उन्होंने कहा कि

■ शेष पृष्ठ 7 पर

आइआइटी मंडी के परिसर के लोकार्पण समारोह की दीप जलाकर शुरुआत करते हुए केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री डॉ. एमएम पल्लम राजू।

10 करोड़ रुपये से सुधरेगी मंडी-कमांद सड़क : वीरभद्र

मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह ने मंडी-कमांद सड़क में सुधार के लिए 10 करोड़ रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने कमांद स्कूल को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के रूप में स्तरोन्नत करने व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोटला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनाने की घोषणा भी की।

आई.आई.टी. मंडी को मिला अपना भवन

मानव संसाधन विकास मंत्री डा. एम.एम. पल्लम राजू ने किया लोकार्पण; स्व.अर्जुन सिंह की रही विशेष भूमिका : वीरभद्र

मंडी, 9 मार्च (पुरुषोत्तम): केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री डा. एम. एम. पल्लम राजू ने शनिवार को मंडी जिला के कमांद में मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह की उपस्थिति में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.टी.) के कमांद स्थित परिसर में नए भवनों का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कमांद में पराशर छात्रावास भवन तथा डा. पल्लम राजू ने एडवांस्ड मैटीरियल्स अनुसंधान केंद्र का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर आई.आई.टी. के नए भवनों के लोकार्पण के लिए डा. एम.एम. पल्लम राजू का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के लिए 2 महत्वपूर्ण उच्च शिक्षा संस्थानों को स्वीकृत करवाने में स्व.अर्जुन सिंह की विशे ष (शेष पृष्ठ 2 कालम 7 पर)

मंडी : कमांद में मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह की उपस्थिति में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई.आई.टी.) के कमांद स्थित परिसर में नए भवन का लोकार्पण करते केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री डा. एम.एम. पल्लम राजू। (संज)

कम समय में उल्लेखनीय प्रगति की : राजू

केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री डा. पल्लम राजू ने कहा कि कम समय में ही आई.आई.टी. मंडी ने उल्लेखनीय प्रगति की है। नए परिसर के लोकार्पण के उपरांत आई.आई.टी. मंडी, देश की ऐसी पहली आई.आई.टी. बन गई है जिसके पास अपना पूर्ण आवासीय एवं शैक्षणिक सुविधायुक्त परिसर है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में आई.आई.टी. की स्थापना महत्वपूर्ण है और इससे हिमालय क्षेत्र को शिक्षण, अनुसंधान एवं खोज के क्षेत्र में विश्व स्तर का केंद्र बनाने में सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह आई.आई.टी. एक इजीनियरिंग कालेज से कहीं बड़ी है क्योंकि यहां आने वाले वर्षों में 800 से 1000 करोड़ रुपए व्यय किए जाएंगे। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि आई.आई.टी. भवनों के निर्माण की गुणवत्ता के साथ कोई समझौता नहीं होना चाहिए तथा केंद्र सरकार इसके लिए समुचित धन एवं सहायता उपलब्ध करवाएगी।

आकाश टैबलेट की नवीन एप्लीकेशन हो रही विकसित

आई.आई.टी. बोर्ड ऑफ डायरैक्टर के अध्यक्ष पद्मश्री एम. नटराजन ने कहा कि आई.आई.टी. मंडी देश के उन 5 आई.आई.टी. में से एक है, जहां कम लागत के आकाश टैबलेट के लिए नवीन एप्लीकेशन विकसित की जा रही हैं। इस टैबलेट को देश में छात्रों को वितरित किया जा रहा है। आई.आई.टी. मंडी के निदेशक प्रो.टीमोथी ए.गोंजालविस ने कहा कि आई.आई.टी. मंडी का उद्देश्य विज्ञान एवं तकनीकी शिक्षा, ज्ञान सृजन एवं खोज के क्षेत्र में भारत में अग्रणी बनना है ताकि समावेशी एवं सतत् विकास के साथ समाज